ब्रह्म ज्ञान योग संस्थान
बिसवाँ सीतापुर

प्रश्नो के उत्तर :-

1. नर्क अच्छा या स्वर्ग:- हमारा शरीर नर्क है, हमारे अंदर के सात प्रकाश सात स्वर्ग है !

नर समान नहि कौनेव देही !
जीव, चराचर जाचत जेही !!

2. ब्राम्हण कौन है:- ब्रम्ह जानाति सः ब्राम्हण।
जिसने ब्रम्ह को जान लिया है !

3. तीन लोक में सबसे बड़ा कौन है:- " जीव "

ईश्वर अंश जीव अविनाशी, चेतन, अमल, सहज सुखरासी !

4. ब्रम्ह का क्या कार्य है:- “ रक्षा करना”

5. ब्रम्ह और प्रकृति में क्या अंतर है :-

(I) नाम और रूप - द्वैत है!

(II) अनहदनाद और प्रकाश !

6. प्रकृति का कार्य:- सब कुछ देती प्रकृति ही है, परन्तु पुरुष की आज्ञा से !

प्रकृति से कैसे ले – केवल मन को शून्य करके !

7. ब्रम्ह जड़ है या चेतन :- “ जड़ ”

चेतन केवल परमात्मा और जीव है शेष सभी जड़ है !

8. ब्रम्ह कैसे बना :- " परमात्मा की किरण से "

शिव बिरंचि विष्णु भगवाना, प्रकटहि जासु अंश ते नाना !

9. ब्रम्ह में अंधकार है या प्रकाश :- " अंधकार "

जगत प्रकाश्य प्रकाशक रामू, मायाधीश ज्ञान गुण धामू !

तीन लोक केवल परमात्मा के प्रकाश से ही प्रकाशित है !

10. ब्रम्ह एक है या अनेक – " एको ब्रम्ह, द्वितीयो नास्ति " !

11. ब्रम्ह में खण्ड है या अखण्ड :- खण्ड - खण्ड ब्रम्ह है !

12. ब्रम्ह और परमात्मा में क्या अंतर है:-

(I) परमात्मा:- सत्य है, अचल है, पूर्ण है, अकर्ता है, निरालम्ब है!

(II) ब्रम्ह :- छाया है, माया है, गति है, परिवर्तनशील है, कर्ता है !

ब्रम्हलोक परमात्मा पर टिका है !

(III) दोनों में बड़ा कौन है:- परमात्मा बड़ा है !

13. केवल दो ही चेतन कौन है:- (I) परमात्मा

(ii) जीव

14. सबसे बड़ा कौन है:- " परमात्मा " सबका मालिक एक है !

15. ऐसा कौन है जिसका कोई आधार नही:- " परमात्मा "

16. परमात्मा आता-जाता है या नहीं:- नहीं " अचलपद " है !

17. पूर्ण अकर्ता कौन है:- " परमात्मा "

18. देता कौन है :- प्रकृति (पुरुष की आज्ञा से)

19. माया और सत्य की पहचान क्या है:- माया :-

(I) जो बदले सो माया !

(II) जिसमे परिवर्तन सो माया !

(III) जिसमे गति है वह माया !

सत्य:- कोई परिवर्तन नही, कोई गति नही अचल है, कोई आधार नहीं !

20. परमात्मा अचल क्यों है:-

(i) जो चल रहा है वह माया है !

(ii) सभी का आधार है !

(iii) जो सन्मुख जाता है वही हो जाता है !

21. बिना पैरों के कौन चलता है:- " मन "

22. बिना कानों के कौन सुनता है :- " मन "

23. जानने योग्य कौन वस्तु है:- " परमात्मा "

24. जीव का उद्देश्य क्या है :- परमात्मा के सन्मुख होकर परमात्मा जैसा होना !

25. जीव किसकी पूजा करे किसे समर्पित हो :-

(I) परमात्मा के सन्मुख होना है !

(II) सत्यनाम की पूजा करे, यह केवल एक बार ही की जाती है !

जासु नाम सुमिरत एक वारा, उतरहि नर भव सिंधु अपारा

“ जीवन क्या है ”

सोचो, विचार करो और अपना उत्तर दो:-

इनमें से कौन सही है ?

(I) “ संघर्ष ” ही जीवन है !

(II) “ प्रेम ” ही जीवन है !

(III) “ सुख ” ही जीवन है !

(IV) शून्य से अनंत आयामों को पार करना जीवन है !

(V) “ जीव ” को बूँद से समुद्र बनाना जीवन है !

(VI) नर से नारायण बनना जीवन है !

(VII) जीव से पीव बनना जीवन है !

(VIII) मन से पार होना जीवन है !

(IX) परमात्मा से एक हो जाना “ एकात्म अवस्था ” जीवन है !

(X) माया में रहते हुए, माया से पार रहना जीवन है !

(XI) मायापति बनना जीवन है !

(XII) मायाधीश बनना जीवन है !

(XIII) सभी धन प्राप्त करना जीवन है !

(XIV) शांति प्राप्त करना जीवन है !

(XV) जीव को अतत्व बनाना जीवन है !

(XVI) जीव को परिधि से केन्द्र पर लाना जीवन है !

(XVII)“ परमपद ” प्राप्त करना जीवन है !

(XVIII) मन की धार को परमात्मा की धार से जोड़ना जीवन है !

(XIX) आत्मघट प्रकट करना जीवन है !

(XX) विवेक दृष्टि प्राप्त करना जीवन है !

(XXI) जीव और आत्मा का भेद जानना जीवन है !

(XXII)तीन लोकों को वश में कर लेना जीवन है !

(XXIII) प्रकृति का राजा बनना जीवन है !

(XXIV) मोक्ष, मुक्ति प्राप्त करना जीवन है !

(XXV)इन सब के अलावा कुछ और है !

“ निम्न प्रश्नों के उत्तर जानो ”

1. सत्संग क्या है –मन का संग सत्य के साथ !
2. सत्संगी क्या है - मन की दृष्टि केवल सत्य पर !
3. शिष्य कौन है - मन !
4. सतगुरु कौन है - आत्मा या आत्मपद !
5. सद्गुरु कौन है - जिसमें धार प्रकट हो गयी है !
6. नाम क्या है - अनहदनाद !
7. रूप क्या है - प्रकाश !
8. पुरुष क्या है - अनहदनाद !

9. प्रकृति क्या है - प्रकाश !

10. ईश्वर क्या है - अनहदनाद !

11. पर्मेश्वर क्या है - आत्मा की धार !

12. सुरत क्या है - ध्वनि रूप में !

13. नारायण क्या है - सुरत !

14. अंतरिक्ष क्या है - वायुमंडल, 85 प्रकार की वायु, सूरज चाँद सितारे !

15. ब्रम्ह क्या है – आकाश तत्व , अनहदनाद !

16. ब्रम्हाण्ड क्या है - ध्वनि और प्रकाश के खण्ड !

17. विवेक दृष्टि क्या है - आत्म संचालित दृष्टि या आत्मदृष्टि !

18. प्रज्ञा दृष्टि क्या है - सुरत की दृष्टि !

19. मन की दृष्टि क्या है - जिस दृष्टि से प्रकाश देखते हो !

20. माया क्या है - तीन लोक सब माया के है !

21. समय क्या है - जो हर समय चल रहा है, बदल रहा है !

22. मानस रोग क्या है – काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार !

23. अलख क्या है - जिसको कोई देख न सके !

24. अगोचर क्या है - मन और इन्द्रियों से परे !

25. अलौकिक क्या है - जो कोई लोक नही है !

26. अकथ का अर्थ क्या है - जिसके बारे में कुछ कहा न जा सके !

27. अगम का अर्थ क्या है - जिसकी कोई थाह न लगा सके !

28. अव्यक्त का अर्थ क्या है - जो जैसा है वैसा व्यक्त न किया जा सके !

29. शिव क्या है - प्रकाश !

30. शंकर क्या है - स्थूल, शिवलिंग !

31. ब्रम्हा क्या है - अनहदनाद !

32. विष्णु क्या है - सुरत !

1. चार प्रकार के भक्त:-

(I) तन के भक्त :- इन्द्रियों से भक्ति होती है!

(II) मन के भक्त :- मन द्वारा ध्यान करना !

(III) सुरत के भक्त :- सुरत शब्द को सुनती हुई और प्रकाश को देखती हुई सोपानों को पार करती है !

(IV) आत्मा के भक्त :- मन आत्मा के सम्मुख किया जाता है!

2. चार प्रकार की भक्ति:-

(I) तन की भक्ति क्या है :- इन्द्रियों की भक्ति, इन्द्रियाँ अनुभव करती हैं !

(II) मन की भक्ति क्या है :- जिसमें हम मन को देखते हैं !

(III) सुरत की भक्ति क्या है :- जिसमें सुरत देखते हुए सोपान पार करती है !

(IV) आत्मा की भक्ति क्या है :- जिसमें मन आत्मा के सन्मुख होता है !

3. चार प्रकार की मुक्ति क्या है :-

(I) सालोक्य मुक्ति :- सुषुम्ना खोलना, पचासी प्रकार की वायु पार करना !

(II) सामीप्य मुक्ति :- प्रकाश से मिलकर एक होना !

(III) सारूप मुक्ति :- अनहदनाद से मिलकर एक होना !

(IV) सापुज्य मुक्ति :- आत्मा से मिलकर एक होना !

4. सात शरीर कौन - कौन से हैं :-

(I) स्थूल शरीर

(II) हवा वाला शरीर

(III) भाव शरीर

(IV) विचार शरीर

(V) प्रकाश शरीर

(VI) अनहदनाद शरीर

(VII) निर्वाण शरीर

5. अनन्य होना क्या है :- मन केवल आत्मा की तरफ हो !

6. सहज क्या है :- जिसमें हम कुछ कर नहीं रहे हो !

7. पूर्ण प्रयास रहित क्या है :- मन शून्य, सुरत स्थिर !

8. सुरत का रूप कैसा है :- ध्वनि रूप !

9. निरत का रूप कैसा है :- प्रकाश रूप !

10. मन का मत कौन है :- तीन लोक के सभी मत !

11. आत्मा का मत क्या है :- चौथे लोक का मत, आत्मा का मत !

12. मन पूर्ण कैसे होगा :- आत्मा के सन्मुख मन हो जाये !

13. चक्रव्यूह, कमलव्यूह, पदमव्यूह का कार्य क्या है :-

(I) हमारे शरीर के 6 चक्र है जिनको चक्रव्यूह कहा जाता है !

(II) हमारे मन में 6 कमल है जिनको कमलव्यूह कहा जाता है !

(III) हमारी सुरत में 6 पदम् है जिनको पदमव्यूह कहा जाता है !

** कार्य -

(IV) चक्रव्यूह के सभी चक्र हर समय घूमते रहते है जिससे इसके अंदर जो भी प्रवेश हो जाता है वह फिर बाहर नहीं निकल पाता है और अंदर के योद्धा उसे मार गिराते है !

(V) कमलव्यूह का कार्य छिपाने का होता है जिसको छिपना होता है उसे कमल की पंखुड़ियों में छिपा दिया जाता है !

जैसे - जयद्रथ कमल की पंखुड़ी में छिप गये थे !

(VI) पदमव्यूह का कार्य सेना की आपूर्ति करना होता है यह हर कमी को पूरा करता है !

14. इन व्यूहों से जीव कैसे निकले :- मन शून्य, सुरत स्थिर, मन आत्मा के सम्मुख करके !

15. संसार का सुख कैसे प्राप्त हो :- मन आत्मा के सम्मुख हो !

16. प्रकृति के राजा कैसे बने :- मन को पूर्ण करके !

सुरेशादयाल

ब्रम्हज्ञान योग संस्थान मोचकला

बिसवाँ सीतापुर (उ० प्र०)

सम्पर्क सूत्र - 9984257903